भारत सरकार
संचार मंत्रालय
डाक विभाग

लोक सभा
अतारांकित प्रश्न संख्या 2884
उत्तर देने की तारीख 17 दिसंबर, 2025

कर्नाटक में कार्यरत डाकघरों की जिले-वार संख्या

2884. श्री बी. वाई. राघवेन्द्र :

क्या संचार मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या सरकार ने कर्नाटक में वित्तीय समावेशन और ग्रामीण आर्थिक विकास को बढ़ावा देने में डाकघरों की भूमिका के संबंध में आंकड़ों की समीक्षा की है अथवा संकलन किया है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ख) कर्नाटक में जिला-वार कितने डाकघर कार्य कर रहे हैं साथ ही साथ उनमें से कितने डाकघर कोर बैंकिंग सॉल्यूशन (सीबीएस) के अंतर्गत संचालित है;

(ग) विगत पांच वर्षों के दौरान राज्य में इंडिया पोस्ट पेमेंट्स बैंक (आईपीपीबी) के कितने खाते खोले गए हैं और डाकघरों के माध्यम से प्रत्यक्ष लाभ अंतरण (डीबीटी) से कितना लेन-देन हुआ है;

(घ) सरकार द्वारा कर्नाटक के ग्रामीण क्षेत्रों में डाकघरों के माध्यम से अंतिम छोर तक वितरण को सुदृढ़ करने और ई-कॉमर्स संपर्क में सुधार करने के लिए क्या कदम उठाए गए हैं; और

(ङ) क्या सरकार का कर्नाटक के डाकघरों में नागरिक-केन्द्रित डिजिटल बैंकिंग सेवाओं का विस्तार करने का विचार है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है?

उत्तर

संचार एवं ग्रामीण विकास राज्य मंत्री
(डॉ. पेम्मासानी चंद्र शेखर)

(क) कर्नाटक में इंडिया पोस्ट पेमेंट्स बैंक के साथ जुड़े हुए डाकघर सरकारी नीतियों और समय-समय पर जारी दिशा-निर्देशानुसार वित्तीय समावेशन और ग्रामीण आर्थिक विकास को बढ़ावा देते हैं।

(ख) कर्नाटक सर्कल में कार्य कर रहे डाकघरों की संख्या का जिला-वार विवरण **अनुबंध** में दिया गया है। सभी डाकघर कोर बैंकिंग समाधान (सीबीएस) के तहत प्रचालनरत है।

(ग) विगत पांच वर्षों के दौरान खोले गए इंडिया पोस्ट पेमेंट्स बैंक खातों की संख्या 48.5 लाख है। विगत पांच वर्षों के दौरान राज्य में डाकघरों के माध्यम से किए गए प्रत्यक्ष लाभांतरण (डीबीटी) लेन-देन की कुल संख्या 23.05 करोड़ है, जिनकी मूल्य राशि 28,387.35 करोड़ रुपए है।

(घ) कर्नाटक राज्य के ग्रामीण क्षेत्रों में डाकघरों के माध्यम से अंतिम मील डिलीवरी को सुदृढ़ बनाने और ई-कॉमर्स को बेहतर बनाने के उद्देश्य से सरकार द्वारा उठाए गए कदम निम्नानुसार है :

i. कर्नाटक में समय पर और गुणवत्तापूर्ण डिलीवरी सुनिश्चित करने के लिए विभागीय और कर्नाटक राज्य सड़क परिवहन निगम (केएसआरटीसी), मेल मोटर सेवा (एमएमएस) शेड्यूल्स और मेल मॉनीटरिंग यूनिट द्वारा मेल डिलीवरी की निगरानी के माध्यम से ग्रामीण डाकघरों को जोड़कर अंतिम मील डिलीवरी को सुदृढ़ बनाया गया है।
ii. पार्सलों के सुरक्षित, संरक्षित और समयबद्ध पारेषण को सुनिश्चित करने के लिए सभी राज्यों और पार्सल हबों को जोड़ने वाले एक समर्पित अखिल भारतीय डाक सड़क परिवहन नेटवर्क शुरू किया गया है।
iii. प्रोसेसिंग हबों का युक्तिकरण और गंतव्य स्थल से संबंधित हब तक सीधे बैगिंग की व्यवस्था की गई है, जिसके परिणामस्वरूप हैंडलिंग समय में कमी आई है और पारेषण कार्य-निष्पादन में सुधार आया है।
iv. पार्सलों की शीघ्रातिशीघ्र अंतिम मील डिलीवरी के लिए नोडल डिलीवरी केंद्रों की स्थापना।
v. सुरक्षित, ट्रैक करने योग्य और नागरिक-केंद्रित सेवाएं सुनिश्चित करने के लिए प्रौद्योगिकी सक्षम डिलीवरी को बढ़ावा देना, जिसमें ओटीपी-आधारित डिलीवरी, ग्रामीण क्षेत्रों में मोबाइल एप्लीकेशन के माध्यम से डिलीवरी शामिल है।
vi. मानकीकृत उच्च गुणवत्ता वाली पैकेजिंग सामग्री उपलब्ध कराने के लिए प्रमुख डाकघरों में पार्सल पैकेजिंग इकाइयों की संस्थापना।

(ङ) डाकघरों के माध्यम से पहले से उपलब्ध नागरिक-केंद्रित सेवाओं का डाक चौपालों डाक सामुदायिक विकास कार्यक्रम (डीसीडीपी) के आयोजनों और मेलों के माध्यम से संवर्धन किया जाता है एवं समय-समय पर योजनानुसार इनमें सुधार किया जाता है। डाकघरों के काउंटरों और इंडिया पोस्ट पेमेंट्स बैंक के माध्यम से द्वार पर डिजिटल बैंकिंग सेवाएं उपलब्ध हैं।

*****

अनुबंध

क्र. सं.	जिला	30.11.2025 की स्थिति के अनुसार उपलब्ध डाकघरों की संख्या
1	बेलगावी	721
2	बागलकोट	328
3	विजयपुरा	399
4	कालबुर्गी	428
5	बीदर	299
6	रायचुर	290
7	कोप्पल	220
8	गडग	168
9	धारवाड़	208
10	उत्तर कन्नड़	485
11	हावेरी	257
12	बेल्लारी	202
13	चित्रदुर्ग	321
14	दावनगेरे	261
15	शिवमोगा	360
16	उडुपी	328
17	चिकमगलुरू	303
18	तुमकूरु	566
19	कोलार	222
20	बेंगलुरू (शहरी)	280
21	बेंगलुरू (ग्रामीण)	131
22	मांड्या	353
23	हासन	416
24	दक्षिण कन्नड़	474
25	कोडगू	213
26	मैसूरू	393
27	चामराजनगर	205
28	चिकबल्लापुर	199
29	रामनगर	183
30	यादगिरि	202
31	विजयनगर	247
कुल योग		**9662**